अपना पोर्ट

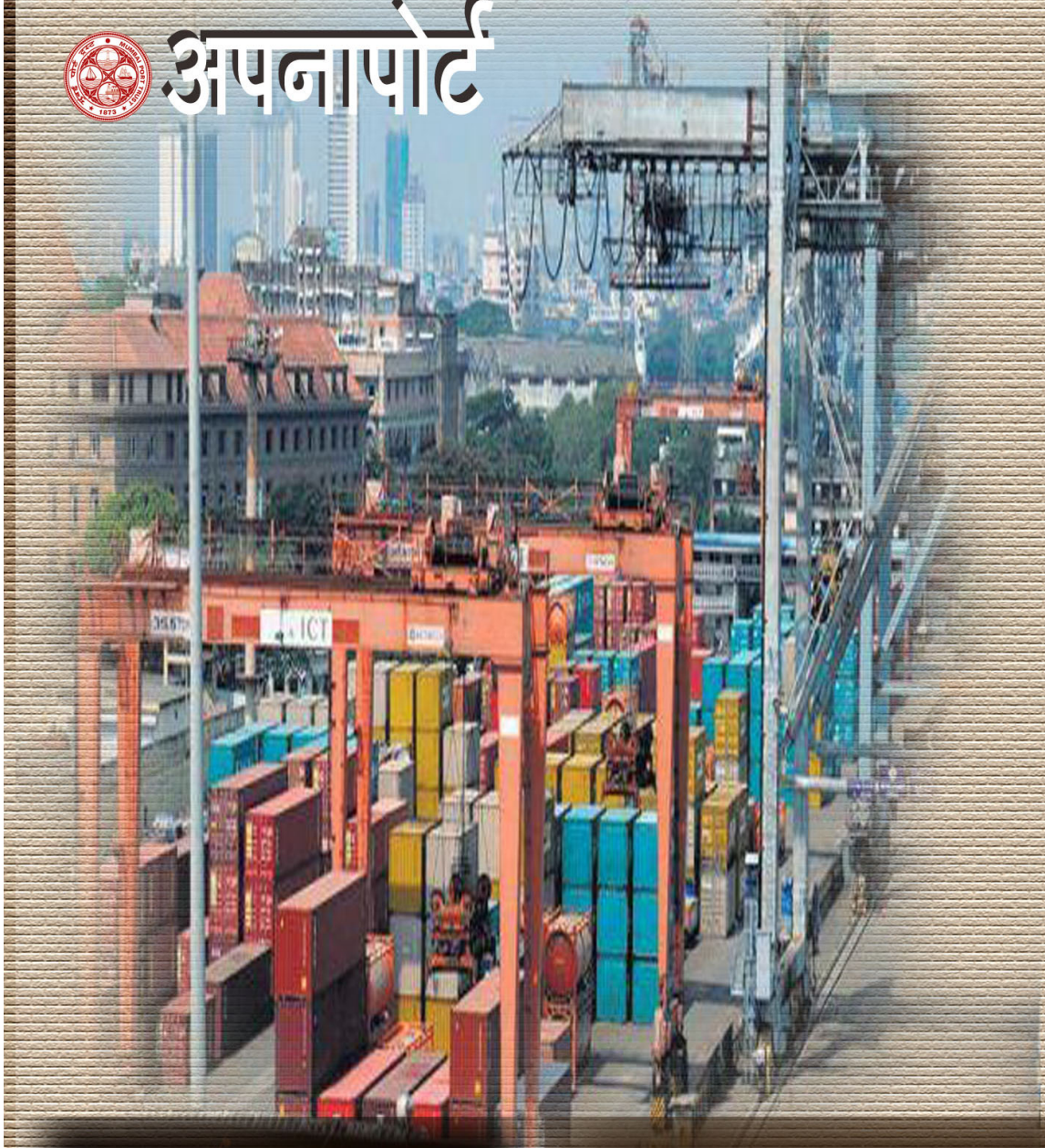

नुतन वर्ष
2018
शुभ कामनाएँ

संपादक मंडल

श्री. राजेंद्र पैबीर : सचिव

श्री. प्रकाश चं. प्रजापति : वरि. लेखा अधिकारी

श्री. प्रफुल्ल कांबळे : वरि. स..यातायात प्रबंधक

श्रीमती जया प. धीरवानी : प्रशासनिक अधिकारी

श्री. लालजी रा. राम : हिंदी अधिकारी

श्री. राजन ल. लाड : हिंदी अनुवादक (ग्राफिक एवं अभिकल्प)

Appreciation

Coffee with Chairman

Shri R. Veeraraghavan, Dy. Chief Accounts Officer and Shri Yogesh Bhogaokar, Jr. Assistant (who assisted Shri R.Veeraraghavan),Finance Department, are awarded "Certificate of Appreciation" as outstanding employees of Mumbai Port Trust for January - March 2017 under the Scheme *Coffee With Chairman* in acknowledgement of Outstanding work done in case of investment in bonds of Madhya Pradesh Elecricity Board in Bombay High Court, wherein MbPT succeded in an out of Court settlement, fully favorable to MbPT.

मुंबई पोर्ट

इस अंक से मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के बारें में विशेष जानकारी दी जाएगी जिसपर पाठकगण अपनी प्रतिक्रिया भेज सकते है. प्रतिक्रिया अधिक से अधिक 100 शब्दों की हो, और इस प्रतिक्रिया को भी अगले अंक में प्रकाशित किया जाएगा तो सादर है मुंबई पोर्ट ट्रस्ट की प्रस्तावना.

प्रस्तावना :

बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट शहर की समृध्दि की आधार शिला रहा है और इस शहर की तरह, यह पोर्ट कई मायनों में एक अग्रणी के रुप में विख्यात है, यद्यपि भारत वर्ष में पत्तन पुरातन काल से पाये जाते है, पत्तनों का विकास जैसा कि उन्हें हम आधुनिक काल में जानते हैं, इस देश में एक शताब्दी पूर्व शुरु हुआ, अर्थात् पश्चिम की तुलना में हम 200 वर्ष पीछे हैं. बॉम्बे में सन 1875 में निर्मित ससून गोदी भारत की सबसे पहली गोदी थी और उसके बाद क्रमशः 1880 और 1888 में प्रिन्सेस तथा व्हिक्टोरिया गोदियाँ बनायी गयी.

सबसे बढियाँ प्राकृतिक बंदरगाहों में से एक ऐसी कुदरत की देन पाने के अलावा, भारत के पश्चिमी किनारे के बीचोबीच बसे होने तथा सुएज नहर तथा युरोप के साथ अधिक लाभदायक स्थिति में होने और उत्तर, पूर्व तथा दक्षिण की ओर जाने वाली तीन ब्रॉड गेज रेल्वे लाईनों द्वारा विशाल भीतरी प्रदेश से जुड़े होने के साथ–साथ राष्ट्रीय तथा राज्य महामार्गों के नेटवर्क के कारण बॉम्बे भारत के पश्चिम तथा मध्य प्रदेशों के लिए अंतर्राष्ट्रीय समुद्री व्यापार का एक मुख्य आयात – निर्यात बंदरगाह बन गया है.

दी बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट जिसे 1873 में गठित किया गया, उसने कई दर्शकों से इस शहर के किनारे विशेषकर पूर्वी तट का कायापलट किया है. मुंबई के पूर्वी तटवर्ती इलाके पर समुंदर से उध्दारित भूमि पर स्थापित लगभग सभी गोदियाँ, डिपो, गोदाम तथा संपदा बॉम्बे पोर्ट ट्रस्ट द्वारा निर्माण की गयी थी. उसके प्रारंभिक 30 वर्षों में अर्थात 1873 से 1903 तक ट्रस्ट ने उत्तर दिशामें शिवडी बंदर से लेकर दक्षिण बॉम्बे में अपोलो रिक्लेमेशन तथा कुलाबा बंदर्स तक 167 एकड़ का भूमि उध्दार किया. वर्ष 1908 में ट्रस्ट द्वारा विराट शिवडी, मझगांव रिक्लेमेशन पर कार्य का प्रारंभ किया गया और यह योजना 1972 में पूर्ण की गयी जिसके तहत अतिरिक्त 583 एकड भूमि उपलब्ध की गयी. बाद में वडाला, टैंक बंदर तथा कुलाबा में किये गये भूमि उध्दार द्वारा और अधिक 310 एकड भूमि उपलब्ध की गयी.

क्रमश:

शिवड़ी से एलिफंटा के बीच रोपवे सेवा

पर्यटन को बढावा देने को ध्यान में रखकर मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने पर्यावरण के अनुकूल, प्रदूषण मुक्त तथा अतिशय उर्जा बचत करने वाली परिवहन प्रणाली रोपवे द्वारा शिवरी स्थित मुंबई मुख्य भूमि को एलिफंटा द्वीप (यूनेस्को विश्व धरोहर स्थल) के साथ जोड़ने की पहल की है. यह विश्व का सबसे लंबा रोपवे होगा जिसकी लम्बाई लगभग 8 किमी. होगी. इस दिशा में मुंपोट्र ने पहले ही तकनीकी, आर्थिक संभाव्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए मेसर्स बर्न इन्टरनॅशनल, यूके को परामर्शदाता के रुप में नियुक्त किया है. परामर्शदाता द्वारा पूरी रिपोर्ट प्रस्तुत करने के बाद ज्ञात हुआ है कि परियोजना आर्थिक तथा तकनीकी रुप से व्यवहार्य है. मुंपोट्र ने परियोजना के निष्पादन के लिए उनके विचार, संकल्पनाओं तथा सुझाव देने के लिए विश्वस्तर के संभावित बोलीकर्ताओं से इच्छा अभिरुचि आमंत्रित किया है. संभावित बोलीकर्ताओं से उनके विचार विमर्श के लिए प्रस्तावपूर्व सम्मेलन आयोजित किया गया. इस सम्मेलन में रोपवे क्षेत्र के विश्वस्तरके अग्रणी तकनीकी विशेषज्ञ ऑस्ट्रेलिया के सर्वश्री डोप्ली मेअर, फ्रान्स के सर्वश्री पूमा तथा भारतीय अग्रणी प्रचालक सर्वश्री टाटा रिआलिटी कन्सल्टन्सी, सर्वश्री टाटा कन्सल्टन्सी इंजिनियर्स, सर्वश्री कॅन्वेअर तथा रोपवे सेवा प्रा. लि. प्रणाली एवं सर्वश्री दामोदर रोपवे तथा इन्फ्रा लिमि. एवं अन्य उपस्थित थे. मुंपोट्र के उपाध्यक्ष श्री.यशोधन वनगेजी ने संबोधित किया तथा प्रस्ताव को विस्तार से स्पष्ट किया. उन्होंने सुनिश्चित किया कि भविष्य में इस प्रस्ताव को बनाने में निवेश को शामिल किया जायेगा. मुंपोट्र के अध्यक्ष श्री. संजय भाटियाजीने परस्पर विचार विमर्श के लिए एक सत्र का आयोजन किया तथा संभावित बोलीकर्ताओं से एक पखवाडे के अंदर परियोजना के सफलतापूर्वक कार्यान्वयन के लिए उनकी संकल्पना तथा विचार प्रस्तुत करने का अनुरोध किया. उन्होंने आगे आश्वस्त किया कि रोपवे अधिनियम में अपेक्षित सभी सांविधिक सहमति अथवा संशोधन के लिए अपेक्षित किसी भी बदलाव को ध्यान में लिया जाएगा. संभावित बोलीकर्ताओं ने इसके जवाब में परियोजना की सराहना की तथा इस मामले में उनके सुझाव, सहयोग तथा सहभाग की पुष्टि की.

मुख्य सतर्कता आयोग द्वारा सत्यनिष्ठा सूचकांक अध्ययन हेतु मुंबई पोर्ट चयनित

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने सत्यनिष्ठा सूचकांक विकसित करने के लिए 25 उच्च सरकारी संस्थानों में शीर्ष स्थान बनाया है. सूचकांक, अध्ययन का एक भाग है जो केंद्रीय सतर्कता आयोग द्वारा राज्य में चल रहे विभागों में भ्रष्टाचार के स्तर का अध्ययन के लिए प्रारंभ किया गया है.

सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने तथा भ्रष्टाचार को समाप्त करने के लिए 25 उच्च संस्थानों में चयन होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के अध्यक्षजी श्री.संजय भाटिया ने कहा कि उपक्रम का एक भाग होने के कारण हमने शिकायत निवारण प्रणाली प्रारंभ किया है तथा सभी भागीदारों को दिये गये संविदा में पर्दाफाश शिकायतें नीति एवं सत्यनिष्ठा समझौता की व्यवस्था भी की है. हमने ई– सुशासन तथा डिजिटाईजेशन पर विश्वास के साथ पारदर्शिता योजना को भी स्थापित किया है. जिसमें सही समयपर ग्राहकों को ऑनलाईन मदद के साथ सतर्कता शिकायतों/परेशानियों को दर्ज करने के लिए मोबाईल ऍप शामिल है.

अध्यक्षजी ने आगे बताया कि पारदर्शी योजना में ध्यान, स्वास्थ्य एवं तनाव प्रबंधन आदि विषयों पर नियमित सत्रों का आयोजन करके कर्मचारियों एवं अधिकारियों की सोच में बदलाव को भी ध्यान में रखा जाता है.

मुख्य सतर्कता आयोग ने एक सत्यनिष्ठा सूचकांक बनाने के लिए अनुसंधान आधारित लक्ष्य को अपने अधिकार में लेने के लिए भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद को नियुक्त किया है जिससे विभिन्न संगठन खुद की स्थिति का पता लगाने के लिए उपयोग कर सकते हैं और जो बदलती आवश्यकताओं के अनुसार खुद में बदलाव लायेगा.

द्विस्तरीय के प्रणाली विज्ञान प्रक्रिया के पहले चरण में भारतीय प्रबंधन संस्थान, अहमदाबाद वाणिज्यिक प्रक्रिया लेखा परीक्षा, संगठन का व्यावसायीकरण, हितों का प्रबंधकीय विरोधाभास तथा कारोबारियों के हितों का मूल्यांकन करेगा.

मुंबई पोर्ट के साथ सत्यनिष्ठा सूची बनाने के लिए पांच समूह बनाये गये हैं जिसमें नॅशनल हायवेज ॲथॉरिटी ऑफ इण्डिया (एनएचएआय), रेल विकास निगम (आरवीएनएल), महानगर टेलिफोन निगम लिमि. (एमटीएनएल) .तीसरे समुह में है. अन्य चार समूहों में ऑईल, गॅस, पॉवर, कोयला, खनन, इस्पात, वित्तीय, रक्षा, वाणिज्य, सामाजिक क्षेत्र तथा शहरी विकास शामिल है.

25 उच्च स्तर के अन्य महत्वपूर्ण नामों में इंडियन ऑईल, तेल एवं प्राकृतिक गॅस कार्पोरेशन (ओएनजीसी), नॅशनल थर्मल पॉवर कार्पोरेशन (एनटीपीसी), भारत हेवी इलेक्ट्रिकल लिमि. (बीएचईएल), पंजाब नॅशनल बॅंक (पीएनबी), केंद्रीय प्रत्यक्ष कर बोर्ड (सीबीडीटी), कर्मचारी भविष्य निधि संघटन (ईपीएफओ), नॅशनल मिनरल डेव्हलपमेंट कार्पोरेशन लिमि (एनएमडीसी), नॅशनल ॲल्युमिनियम कं.लिमि. (नॅलको), स्टील ऑथोरिटी ऑफ इंडिया अन्य अनेकों में शामिल है.

मूल्यांकन एक वर्ष से अधिक समय में पूरा होने की अपेक्षा है. सत्यनिष्ठा सूचकांक की निर्विवाद सोच एक ऐसी प्रणाली को विकसित करना है जो सरल, ग्राह्य, अनुकूल, विस्तारयोग्य उत्तरदायी तथा संतुलित हो जैसा कि संगठन के विभिन्न श्रेणी स्तरों द्वारा महसूस किया जाता है.

गतिविधियाँ

सतर्कता विभाग मुं.पो.ट्र. ने Vigilance Study Circle – Mumbai के वार्षिक समारोह में प्रतिष्ठित सतर्कता उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया.

भारत के मुख्य सतर्कता आयुक्त श्री. के.व्ही. चौधरीजी की उपस्थिति में श्री. के. राजीव सतर्कता आयुक्त के करकमलों से मुंपोट्र के मुख्य सतर्कता अधिकारी श्री. शिशिर श्रीवास्तव को यह पुरस्कार प्रदान किया. इस अवसर पर मुंबई पोर्ट ट्रस्ट के अध्यक्ष श्री.संजय भाटिया भी उपस्थित थे.

Vigilance Study Circle – Mumbai यह एक संस्था है जो सार्वजनिक क्षेत्रोंमें कार्यरत उपक्रमोंमें सतर्कता जागरूकता का प्रसार करती है. इस संस्था की मासिक बैठकों में सतर्कता संबंधी कार्य करनेवाले ज्ञान और कौशल्य का आदान प्रदान किया जाता है.

इस संस्था की वार्षिक पत्रिका में हर आस्थापना 'case study' पेश करती है और उसके लिए पुरस्कार रखे जाते हैं.

गर्व की बात है कि मु.पो.ट्र. ने लगातार तीन साल तक यह "सतर्कता उत्कृष्टता पुरस्कार प्राप्त किया है. दिनांक 30.10.2017 से 4.11.2017 के दौरान सतर्कता जागरूकता सप्ताह मनाया गया. इस सप्ताह के दौरान निम्नलिखित गतिविधियों का आयोजन किया था.

कर्मचारी तथा उनके परिवार सदस्योंके लिए चित्रकला प्रतियोगिता का आयोजन और विजेताओंके नाम

(a)12 वर्ष तक

1. प्रथम : कु. जुवेरिया शेमले 2. द्वितीय :कु. अभिषेक शिंदे 3. तृतीय : कु. अमोल वाघ

(b)वर्ष 13 से 18 तक

1. प्रथम : कु. आकांक्षा राऊळ 2. द्वितीय : कु. सिध्दान्त खरात 3. तृतीय : कु. रीकांक्षा राऊळ

(c)वर्ष 18 के ऊपर

1. प्रथम : श्रीम. योगिता राऊळ 2. द्वितीय : कु. अभिषेक कदम 3. तृतीय : श्रीम. प्रतिभा ठाकूर

B. आंतर विभागीय रंगोली प्रतियोगिता

1. प्रथम : मुख्य यांत्रिकी विभाग 2. द्वितीय : यातायात विभाग और समुद्री विभाग 3. तृतीय : भंडार विभाग

C. आंतर विभागीय वक्तृत्व प्रतियोगिता

1. प्रथम : श्रीम. कस्तुरी तारळेकर, यांत्रिकी विभाग

2. द्वितीय : श्रीम. के.सी. कुलकर्णी कल्याण विभाग

3. तृतीय : श्रीम. विद्या हेगडे यातायात विभाग

D. स्कूल तथा कॉलेजोंमें वक्तृत्व प्रतियोगिता का आयोजन

(a) विद्यालंकार स्कूल ऑफ इन्फोरमेशन ऍण्ड टेक्नॉलॉजी
(b) एस आय डब्ल्यू एस कॉलेज
(c) एम.एच. साबुसिद्दिकी कॉलेज ऑफ इंजिनिअरिंग

(d) सेंट जॉन 23 हायस्कूल

(e) सौ.लक्ष्मीबाई अंग्रेजी मिडियम स्कूल

E. ई सेवा शिकायत मोबाईल ऍप उपभोक्ता गाईड का उद्घाटन

यह मोबाईल ऍप "MbPT e-Seva" गुगल प्ले स्टोअर या ऍप्पल स्टोअर से डाऊनलोड किया जा सकता है.

F. सप्ताह के दौरान मु.पो.ट्र. के विभिन्न जगहों पर पथ नाट्य के प्रयोग.

G. दिनांक 1.11.2017 को Public Concern for Governance Trust (PCGT) द्वारा पॅनल डिस्कशन का आयोजन.

H. 3.11.2017 को बीकेसी में आयोजित वाकेथौन में भाग लिया.

योजनाएँ

"रि-इमॅजिन ॲण्ड ब्यूटीफाई" मुंबई डॉक्स ॲण्ड वाटरफ्रंट

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने दिनांक 30 जुलाई 2017 को पोर्ट हाऊस मे मुंबई डॉक्स ॲण्ड वाटरफ्रंट को "रि–इमॅजिन ॲण्ड ब्यूटीफाय" हेतु डिझाइन चौपाल आयोजित किया. पोर्ट क्षेत्र को अधिक उद्योगी कार्यात्मक और अल्हाददायक बनाने के लिए वास्तुकारों, विद्यार्थियों, भू–दृश्य विशेषज्ञ, कलाकारों, पर्यावरणविदों से नये विचारों को प्राप्त करना चौपाल का उद्देश्य था.

चौपाल से पहले मुंबई गोदी क्षेत्र के निरीक्षण का आयोजन किया गया. आगंतुक मुंबई पोर्ट की गतिविधियों से खुशी से अचंभित थे.

कुल मिलाकर 42 सहभागियों ने चौपाल में भाग लिया. 9 गुटों को तैयार किया गया तथा उन्हें अपनी मर्जी से गोदी सौंदर्यीकरण के विषयों को चुनने के लिए कहा गया था. चौपाल में अध्यक्ष, मुंपोट्र के सामने प्रत्येक गुट ने अपने अपने विचार प्रस्तुत किये.

पोर्ट क्षेत्र के नवर्निमाण के लिए सहभागियो ने अभिनव विचार रखें. दीवार रंगाई और भित्ति–चित्रण, तटीय विकास, स्कायवॉक प्रदीपन प्रणाली, विरासत ईमारतों, प्रकाशस्तंभ की देखभाल का ग्रीन पॉकेट कंजर्वेशन,प्रस्तावों की श्री. संजय भाटिया, अध्यक्ष, मुंपोट्र ने सराहना की तथा उन्हें धन्यवाद देते हुए अश्वस्त किया कि उनके विचारों को आगे विकसित करके उन्हें जल्द से जल्द कार्यान्वित किया जायेगा.

पारदर्शिता योजना

सत्यनिष्ठा को बढ़ावा देने और भ्रष्टाचार का उन्मूलन करने में उपलब्ध संसाधनों में सुधार करते हुए प्रक्रियाओं की क्षमता में वृध्दि और व्यवस्था को अधिक पारदर्शी बनाने के लिए श्री. संजय भाटिया, अध्यक्ष, मुंपोट्र ने विविध उपाय किये हैं. उनमें से एक उपाय मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में "पारदर्शिता योजना" बनाना और लागू करना तथा इसे तय समय –सीमा में कार्यान्वित करना है.

पारदर्शिता योजना में इ–गवर्नन्स और डिजिटलाझेशन पर बहुत जोर दिया गया है जिसमें इ–टेंडरिंग, इ–ऑक्शन, इ–रजिस्ट्रेशन, इ–पेमेंट/इ–रिसिट्स, साझेदारों को सुकर व्यापार के लिए इ–प्लॅटफॉर्म मुहैय्या करना, इ–परमिट्स/इ–लाईसेन्स, इ–आरपी प्रणाली/इ–ऑफिस मुहैय्या करना, ऑनलाईन डॉक्यूमेंट और बिल्स पता करना, जीआयएस आदि सम्मिलित है. इसमें सतर्कता शिकायतें/परेशानियाँ को दर्ज करने के लिए मोबाईल ॲप का सृजन करना तथा ऑनलाईन सही समय कस्टमर फिडबॅक भी शामिल है. इस टेंडरिंडग में प्रणालीगत विविध सुधार, इस्टेट मॅनेजमेंट, न्यू लॅण्ड पॉलिसी आदि भी सम्मिलित है. पारदर्शिता योजना के तहत ध्यान स्वास्थ्य तथा तनाव प्रबंधन आदि पर नियमित सत्रों का आयोजन करते हुए कर्मचारियों एवं साझेदारों की मानसिकता में बदलाव लाने का प्रावधान भी रखा गया है.

प्रशासन को अधिक मजबूत बनाने के लिए 25 सरकारी संगठनों में से मुंबई पोर्ट ट्रस्ट का चयन किया गया है. जहाँ सत्यनिष्ठा पहलूओं पर 0 से 5 के पैमाने पर सूचीबध्द करने के लिए संगठनों को प्रस्तावित किया जाता है. आगे प्रशासन को लोकोन्मुख बनाने के उद्देश्य से मुंबई पोर्ट ने ***ग्रीव्हन्स मॉड्यूअल*** विकसित और शिकायत निवारण प्रणाली शुरु की है. जो मुंपोट्र की वेबसाईट पर उपलब्ध है. संबंधित विभाग को उपयोगकर्ता शिकायत भेज सकता है. शिकायतकर्ता जैसे ही शिकायत दर्ज करता है वह अपनी शिकायत संबंधी शिकायत पंजीकरण क्रमांक सहित एसएमएस पायेगा हर पल की प्रगती की अद्यतन स्थिति भी ग्रीव्हन्स स्टेटस इन्क्वायरी स्क्रिन पर उपयोगकर्ता शिकायत की अद्यतन स्थिति भी देख सकता है. मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने दिये गये संविदाओं में पर्दाफाश नीति तथा सत्यनिष्ठा संधी को स्थान दिया है.

सभी साझेदार जो मुख्यतः आयातकर्ता/निर्यातकर्ता/आपूर्तिकर्ता/पर्यटक आदि हैं, उन्हें सम्मिलित करके मुंबई पोर्ट ट्रस्ट उनके सभी कार्यकलापों को संपूर्णतया पारदर्शी बनाने के लिए समर्थ होगा.

योजनाएँ

"सबका साथ सबका विकास"

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने वाय.बी. चव्हाण सभागृह, नरीमन पॉईंट, मुंबई में "सबका साथ सबका विकास" सम्मेलन का संचालन किया. यह सम्मेलन भारत सरकार, पोत परिवहन मंत्रालय तथा मुंबई पोर्ट ट्रस्ट द्वारा विगत तीन वर्षों के दौरान किये गये विकास तथा भावी विकास के लिए शुरु की गयी योजनाओं की झलक थी.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने विगत 3 वर्षों के दौरान प्रभावी कार्य किया है और इस वर्ष पोर्ट ने कार्यक्षमता सुधार पॅरामीटर में सर्वोत्तम कार्य के लिए पुरस्कार तथा 12 महा पत्तनों में स्वच्छ भारत अभियान के कार्यान्वयन में 3 रा स्थान हासिल किया है. पोर्ट ने सरकार के "मेक इन इण्डिया" अभियान को प्रोत्साहन के रुप में वर्ष 2016–17 के दौरान 63 दशलक्ष मे. टन माल तथा लगभग 2.1 लाख ऑटोमोबाईल की अबतक की सर्वोत्तम सम्हलाई की.

पोर्ट अपना इस्टर्न वाटरफ्रंट विकसित कर रहा है जिसके लिए मेसर्स एचसीपी डिजाइन, प्लानिंग एवं मॅनेजमेंट प्रा.लि. को मास्टर प्लान तैयार करने के लिए परामर्शदाता नियुक्त किया गया है. विगत 3 वर्षों में मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने पोर्ट पोत परिवहन एवं पर्यटन में अनेक विकास कार्यों की शुरुवात की है उनमें से कुछ निम्नलिखित है –

- आन्तरराष्ट्रीय यात्री टर्मिनल का आधुनिकी करण.
- ऑईल टँकर टर्मिनल में 700 टन तक के तेल प्रदूषण को रोकने के लिए ऑईल रिसाव प्रतिक्रिया सुविधा विकसित की गयी है.
- आधुनिक आधारभूत सुविधा तथा अग्निशामक उपकरण के साथ द्वितीय रसायन घाट चालू किया गया है.
- पाँचवे तेल घाट के निर्माण का कार्य चल रहा है और 2019 तक तैयार होगा.
- फेरीवार्फ से मांडवा तक महाराष्ट्र मेरीटाईम बोर्ड के साथ संयुक्त रुप से रो रो यात्री सेवा विकसित की जा रही है. इससे यात्री कोकण क्षेत्र में अपनी कार के साथ यात्रा कर सकेंगे. इस प्रकार उनके यात्रा समय में 3 घण्टे की कमी होगी.
- जवाहरद्वीप में बंकरिंग सुविधा

समारोह में महाराष्ट्र सरकार के मंत्री, आमदार तथा बड़ी संख्या में पोर्ट उपभोक्ताओं, कारोबारियों तथा आम लोगों की उपस्थिति थी.

मुंबई अन्तर्राष्ट्रीय क्रुझ टर्मिनल का आधुनिकीकरण

भारत में, अन्तर्राष्ट्रीय तथा घरेलू क्रुझ पर्यटकों के लिए अत्याधुनिक सुविधा के साथ विद्यमान क्रुझ आधुनिकीकरण द्वारा बढावा देने के लिए मुंबई पोर्ट ट्रस्ट ने जरुरी विश्व स्तरीय इंफ्रास्ट्रक्चर सुविधा विकसित करते हुए अन्तर्राष्ट्रीय क्रुझ जहाजों के लिए मुंबई पोर्ट को घरेलू पोर्ट के रुप में विकसित करने का निर्णय लिया है. घरेलू पर्यटकों के लिए अलग सुविधा सहित तल मझला + 3 मंझिल प्रस्तावित टर्मिनल का अनुमानित खर्च रु.197 करोड़ की मंजूरी मुंबई पोर्ट ट्रस्ट बोर्ड द्वारा दी गयी है. पोर्ट ने सिव्हिल और अग्रभाग कार्यों के लिए रु.125 करोड़ के लागत की निविदा मंगवाई है, जिसके लिए आकृति इंजिनियर्स, परेश कंस्ट्रक्शन ऍण्ड फाऊन्डेशन्स प्रा.लि., ओमान की फर्म अदरक इंजिनियरिंग ऍण्ड कंस्ट्रक्शन तथा गुणवंत से दिनांक 18. 3.2017 को कुल चार बोलियाँ प्राप्त हुई है. जिसकी छानबीन जारी है.

परियोजना दो चरणों में कार्यान्वित होगी, आधुनिक एमआरसीटी का प्रथम चरण 2018 में तैयार होगा जबकि परिचालन के लिए द्वितीय चरण अगले वर्ष तैयार होगा. आधुनिकीकरण किये गये टर्मिनल में वे सभी सुविधायें प्राप्त होगी जो हवाई यात्रियों को हवाई अड्डे पर प्राप्त होती है.

मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में राजभाषा पखवाड़ा 2017 का आयोजन

हिंदी पखवाड़ा 2017 के उपलक्ष्य में श्री. यशोधन वनगे, उपाध्यक्ष (भा.रा.से.), मुंबई पोर्ट ट्रस्ट का स्वागत.

हिंदी पखवाड़ा 2017 के उपलक्ष्य में श्री. यशोधन वनगे, उपाध्यक्ष (भा.रा.से.), मुंबई पोर्ट ट्रस्ट कर्मचारियों को संबोधित करते हुए.

कवियों की प्रस्तुती

पिछले वर्ष की भाँति इस वर्ष भी मुंबई पोर्ट ट्रस्ट में राजभाषा पखवाड़ा का आयोजन बडी धूमधाम से किया गया. 14 सितंबर 2017 को विजयदीप स्थित सम्मेलन कक्ष में हिंदी पखवाड़ा 2017 का उद्घाटन समारोह वित्तीय सलाहकार एवं मुख्य लेखा अधिकारी श्री. के.जी. नाथ के करकमलों संपन्न हुआ इसके बाद अनेकों हिंदी प्रतियोगिताओं तथा कार्यक्रमों का दौर शुरु हुआ. जिसके अंतर्गत **हिंदी निबंध लेखन, स्मरण शक्ति प्रतियोगिता, एक पात्री अभिनय (Mono Acting), स्वरचित कविता पाठ, अनुवाद प्रतियोगिता तथा विभागीय राजभाषा निरीक्षण, राजभाषा संगोष्ठी, हिंदी कार्यशाला** जैसे कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया.

पखवाड़ा भर चला यह कार्यक्रम दिनांक 28.9. 2017 को अपने समापन मुकाम पर पहुँचा. इस तिथि को सम्मेलन कक्ष में मुंपोट्र के उपाध्यक्ष श्री. यशोधन वनगे,भा.रा.से. के करकमलों विभिन्न प्रतियोगिताओं में सफल विजेताओं को पुरस्कार एवं प्रमाणपत्र वितरित किए गये. इस अवसरपर मु.रा.भा.अ. श्री.राजेंद्र पैबीर तथा वि.स. एवं मुख्य लेखा अधिकारी श्री. के.जी. नाथ भी उपस्थित थे. उपाध्यक्षजी ने अपने मार्गदर्शन भाषण में राजभाषा की अपने देश में अहमियत और उसके प्रयोग के बारें में विस्तार से विवेचन किया तथा उपस्थित सभी को अपना अधिकाधिक कामकाज हिंदी में करने की अपील की.

कार्यक्रम के अंतिम चरण में हास्य व्यंग्य कवि सम्मेलन का आयोजन किया गया जिसमें हास्य व्यंग्य कवि सर्वश्री. अनंत श्रीमाली, महेश दूबे, दिनेश बावरा, तथा घनश्याम अग्रवाल जी ने अपनी हास्य व्यंग्य कविताओं को पढकर, गाकर सभी श्रोताओं का मनोरंजन किया. लगभग तीन घंटे तक चला यह कार्यक्रम श्रोताओं के लिए यादगार बनकर रह गया.

माध्यमिक परीक्षा में अच्छे अंक पाने वाले विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों का

अभिनंदन.....अभिनंदन.....अभिनंदन

माध्यमिक शालांत प्रमाणपत्र परीक्षा - 2017

अनुष्का संजिव राणे
श्रीमती भाग्यश्री संजिव राणे,
(सचिव विभाग) के सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(96.20%)
अंक से उतीर्ण

गौरांग निनाद जोशी
श्रीमती सोनाली निनाद जोशी,
(सामान्य प्रसासन विभाग) का सुपुत्र
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(95.60%)
अंक से उतीर्ण

मिताली विवेक बांदेकर
श्रीमती श्रुतिका विवेक बांदेकर,
(सामान्य प्रशासन विभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(95.20%)
अंक से उतीर्ण

वैष्णवी जयेंद्र शिंदे
श्री.जयेंद्र तानजी शिंदे,
(यांत्रिकी अभियंता विभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(95%)
अंक से उतीर्ण

ऋतुजा विनायक गाडगोळ
श्रीमती वीणा विनायक गाडगोळ,
(वित्त विभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(94.80%)
अंक से उतीर्ण

अभिराज राकेश बागावतकर
श्री.राकेश बाळकृष्ण बागावतकर,
(स्थापत्य अभियांत्रिकी विभाग) के सुपुत्र
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(94.60%)
अंक से उतीर्ण

अक्षदा बाळासाहेब आहेर
श्री. बाळासाहेब कोंडीभाऊ आहेर,
(समुद्री विभाग) के सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(94.20%)
अंक से उतीर्ण

सिध्देश उमानाथ शेट्टी
श्री.उमानाथ नारायण शेट्टी,
(यातायात विभाग) का सुपुत्र
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(94%)
अंक से उतीर्ण

रुचित रोहीदास यादव
श्री.रोहीदास चिमन यादव,
(सामान्य प्रशासन विभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(93%)
अंक से उतीर्ण

साक्षी संजय कसबेकर
श्री.संजय भ.कसबेकर,
(यातायात विभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(92.80%)
अंक से उतीर्ण

राज विलास गायकवाड
श्री. विलास होनाजी गायकवाड,
(चिकित्सा विभाग) का सुपुत्र
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(91.80%)
अंक से उतीर्ण

सृष्टी सदाशिव शेट्टी
श्रीमती सुप्रीया सदाशिव शेट्टी,
(सामग्री प्रबंधन प्रभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे (91.6%)
अंक से उतीर्ण

यश राजेंद्र घोसाळकर
श्री.राजेंद्र रोहिदास घोसाळकर,
(गोदी विभाग) का सुपुत्र
10 वी. (एसएससी बोर्ड) में (91%)
अंक से उतीर्ण

यश महेश पार्टे
श्री. महेश विष्णु पार्टे,
(वित्त विभाग) का सुपुत्र
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(90.20%)
अंक से उतीर्ण

चिन्मय शैलेश चव्हाण
श्री.शैलेश काशिराम चव्हाण,
(यातायात विभाग) का सुपुत्र
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(90%)
अंक से उतीर्ण

गौरांगी चंद्रशेखर राऊळ
श्री.चंद्रशेखर महादेव राऊळ,
(यातायात विभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(90%)
अंक से उतीर्ण

सोनाली प्रकाश जाधव
श्री.प्रकाश मारुती जाधव,
(योजना एवं अनुसंधान प्रभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(89.60%)
अंक से उतीर्ण

शर्वरी जयवंत वाक्कर
श्रीमती नेहा जयवंत वाक्कर,
(सामान्य प्रशासन विभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(89.2%)
अंक से उतीर्ण

आयुषा राजन कोयंडे
श्री. राजन चांदुरंग कोयंडे,
(समुद्री विभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(88.80%)
अंक से उतीर्ण

गौरी प्रभाकर खाके
श्री.प्रभाकर बाबाजी खाके,
(यांत्रिकी अभियंता विभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(88.67%)
अंक से उतीर्ण

रॉनन सायमन फर्नांडिस
श्री.सायमन फ्रान्सीस फर्नांडिस,
(यांत्रिकी अभियंता विभाग) का सुपुत्र
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(88.40%)
अंक से उतीर्ण

जाह्नवी विनोद कदम
श्री.विनोद रघुनाथ कदम,
(समुद्री विभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(88%)
अंक से उतीर्ण

लिझा वॉल्टर परेरा
श्री.वॉल्टर सायमन परेरा,
(यांत्रिकी अभियंता विभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे (87.80%)
अंक से उतीर्ण

चैतन्या बिंदुमाधव अंबिके
श्रीमती अनुराधा बिंदुमाधव अंबिके,
(यातायात विभाग) का सुपुत्र
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(87.20%)
अंक से उतीर्ण

आर्यन मिलिंद सावंत
श्री. मिलिंद ब.सावंत,
(गोदी विभाग) के सुपुत्र
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(87%)
अंक से उतीर्ण

श्रुति दिपक लाखण
श्री.दिपक दे. लाखण,
(सामग्री प्रबंधन प्रभाग) की सुपुत्री
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे (86%)
अंक से उतीर्ण

कुणाल अनंत पाटील
श्री.अनंत मुरलीधर पाटील,
(यांत्रिकी अभियंता विभाग) का सुपुत्र
10 वी. (एसएससी बोर्ड) मे (85.80%)
अंक से उतीर्ण

उच्च माध्यमिक शालांत प्रमाणपत्र परीक्षा - 2017

स्टीव मोरिएस
श्री.जी.वसजकरन मोरिएस,
(यातायात विभाग) का सुपुत्र
12 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(92.77%)
अंक से उतीर्ण

अद्वैत रविंद्र केळकर
श्री.रविंद्र दर्शत केळकर,
(स्थापत्य अभियांत्रिकी विभाग) के सुपुत्र
12 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(90.31%)
अंक से उतीर्ण

प्रियांका वि. आचरेकर
श्रीमती ज्योत्स्ना वि.आचरेकर,
(सामान्य प्रशासन विभाग) की सुपुत्री
12 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(87.08%)
अंक से उतीर्ण

राजस भिकाजी गांवकर
श्री.भिकाजी शिवराम गांवकर,
(संपदा विभाग) का सुपुत्र
12 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(85.85%)
अंक से उतीर्ण

वेरोनिका विल्फ्रेड लोबो
श्रीमती अनिता विल्फ्रेड लोबो,
(कानूनी प्रभाग) की सुपुत्री
12 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(84.62%)
अंक से उतीर्ण

प्रणव राजेश नेरुरकर
श्रीमती वैशाली राजेश नेरुरकर,
(सामान्य प्रशासन विभाग) का सुपुत्र
12 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(82%)
अंक से उतीर्ण

क्लिफर्ड वॉल्स कोयलो
श्री.वॉल्स जॉन कोयलो,
(सामान्य प्रशासन विभाग) का सुपुत्र
12 वी. (एसएससी बोर्ड) मे(80.31%)
अंक से उतीर्ण

हिंदी पखवाड़ा में आयोजित निबंध स्पर्धा में प्रथम पुरस्कार प्राप्त निबंध

कु. प्रज्ञा बेलेकर
कनिष्ठ अभियंता

भारत छोडो अभियान

9 अगस्त 2017, बुधवार का दिन लेकिन आज का दिन और दिनों की तरह नहीं था. किसी आरक्षण के मुद्देपर आज के दिन एक क्रांती मोर्चा का आयोजन मुंबई शहर में जगह जगह पे होने वाला था. मन में एक सहमा सहमा खयाल बार बार आ रहा था. अगस्त क्रांती दिन का भारत के इतिहास में एक अलग ही पन्ना लिखा हुआ है. 9 अगस्त 1942. क्या आज किसी को भी याद नहीं उस दिन का महत्व ? नहीं, नहीं – यह तो हर भारतीय के मन में सैलाब लाने वाला विचार है. भारत छोडो आंदोलन की नीव रखी महात्मा गांधीजी ने वर्धा में कॉंग्रेस की एक बैठक संपन्न हुई और उसमें इस आंदोलन को छेडने का प्रस्ताव रखा गया. अखिल भारतीय कॉंग्रेस कमिटी के मुंबई में हुए अधिवेशन में दिनांक 9 अगस्त 1942 को भारत छोडो आंदोलन का प्रस्ताव पारित किया गया. इसका ऐलान महात्मा गांधी ने 8 अगस्त 1942 की रात को जनसमूदाय को प्रेरित करते हुए किया.

1 अगस्त , 1942 का दिन उसकी शुरुवात ही महात्मा जी को ब्रिटिश सरकार ने कैद करके हुई. महात्मा गांधीजी को कारावास में जाना पड़ा परंतु जनसमुदाय की प्रेरणा इंच से कम न हुई. संपूर्ण भारतवर्ष में स्वातंत्र्यसेनानी टूट पडे और हर जगह सरकार के खिलाफ उनके अन्यायी राजवट के विरुध्द आंदोलन, उठाव होने लगे. महिला, बालक, बूढे, नौजवान सभी ने अपने घर, काम काज और ऐश आराम को छोड इस आंदोलन में हिस्सा लिया. लोगों को सरकार ने लाठीचार्ज कर डराने और धमकाने का सत्र शुरु किया. तब भी जन आंदोलन की तीव्रता न कम हुई न ही उनमें दहशत निर्माण हुई. जन आंदोलन तो संपूर्ण भारतवर्ष में फैलता ही गया. येरवडा के आगाखान पॅलेस में गांधीजी स्थित थे, परंतु उन्होंने जो प्रेरणा लोगों के मन में निर्माण की, उसकी ज्योत अब एक ज्वाला का रुप ले चुकी थी. लोग, महात्माजी की मुक्तता के लिए भी इस आंदोलन में सहभागी होने लगे.

पूर्व में पश्चिम में प्रतिसरकारे स्थापन होने लगी. सातारा में नानाजी ने अपनी प्रतिसरकार स्थापन की. उनका उदाहरण का अनुसरण करते हुए अनेक क्रांतिकारी उठाव करने लगे. सरकार की कारागृहें लोगों से भर गई. सरकार अब लोगोंको कैद करते हुए परेशान हो चुकी थी. किंतु इस पूर्ण आंदोलन की ताकद अब जनता ही है, यह बात सभी के समझ में आ गया था. दूसरे महायुध्द में फसे ब्रिटिश सरकार को इस आंदोलन की तीव्रता समझ में आयी, जब कि यह आंदोलन सालभर चलता ही रहा. आखिर 1944 में सरकार ने महात्माजी को कारागृह से मुक्ती दी, किंतु जनता के मन में क्रांती और स्वतंत्रता की माँग की ज्योत जलाकर गांधीजी नें अपना कार्य का आरंभ किया.

1 अगस्त 1925 के दिन बिस्मिल के नेतृत्व में जो काकोरी कांड हुआ था, उसका स्मरण रखते हुए गांधीजी ने 1 अगस्त, 1942 का दिन चुना था. आज भी 1 अगस्त का दिन एक अपना महत्व भारत के इतिहास में बनाए रखता है. किंतु आज स्वतंत्र होने के बाद क्या भारत में वह सब कुछ है जो आदर्श भारत के रुपमें हम देखना चाहते है ? आज 1942 के इस उठाव को 75 साल पूर्ण हो गए. परंतु आज भी मेरे भारतवर्ष में कई ऐसे महत्वपूर्ण प्रश्न है जो मुझे क्रांती दिन की याद दिलाते है. क्या संपूर्ण भारत वर्ष की जनता तभी एकजूट होगी जब कोई परकीय आक्रमण होगा ? 1942 की जनता ने जो एकता का प्रदर्शन किया था, जिद और लगन से लोग मोर्चा में सहभागी हुए थे, वो एकता आज किसी जाती या पंथ पे क्यों अटकी हुई है ? धर्म निरपेक्ष राष्ट्र होने के बावजूद आज भी नौकरी के अर्जी में हर नागरिक को अपना धर्म क्यों जाहीर करना पडता है ? धर्म और जाति संप्रदाय इस एकता में क्यों बांधा डालते है ? अगर किसी जाति धर्म के व्यक्ति पर कुछ आँच आ जाए, तो क्या उसका धर्म जाति उस आँच से महत्वपूर्ण है ? नहीं, फिर भी मिडिया जाती धर्म का महत्व हर बार जताती है. यह बात भारतीय होने में हमें बाधा लाती है. हम सिर्फ विदेश में भारतीय कहलाते है, भारत में हम अपने आप को अपने प्रांत भाषा से पहचानते है. प्रांतवार रचना भारत के सुराज्य के लिए स्थापित की गई थी, न कि अपने आपमें उलझने के लिए. हम राज्य राज्य में ही शांती बनाए नहीं रख पाते, केवल एकता के अभाव से अगर आज 75 साल पूर्तता होने के बाद भी हम एकता के मुद्दे पर अडे रहे है, तो हम आगे चल ही नहीं सकते. 1942 के जन आंदोलन से हम कुछ सीखना चाहते है तो यह है कि एकता, एकजूट ही हमें आगे ले जाएगी. नहीं तो हम आज भी किसी अंग्रेज के राजवट में दबे रहते. केवल स्वातंत्रसेनानी, क्रांतीकारियों का स्मरण आज 75 साल की पूर्तता पर अपेक्षित नहीं है. उन्हें भी शायद यहीं अपेक्षित होगा कि हम एकता, समता और बंधुता बनाये रखते हुए भारत को प्रगतिपथ पर ले जाए.

आज भारत 2017 में प्रगतिपथ पर तो है, परंतु क्या इसमें हम सब प्रगति पथ पर है ? आज भी ग्रामीण भारत अपने आप में ही उलझ रहा है. भारत की 80% जनता ग्रामीण भाग में रहती है. परंतु उनकी समस्याओं का हल अभी हम नहीं निकाल पाये. गरीबी एक प्रश्न जरुर है. वह समस्या नहीं है. भारत की अर्थव्यवस्था का उत्पादन दर बढाना यह हमारा लक्ष्य होना चाहिए, और इसलिए भारत के हर एक व्यक्ति ने अपना महत्वपूर्ण एवं अर्थपूर्ण योगदान देना चाहिए. कोई बेरोजगार नहीं होना चाहिए.

यह तो किसी भी देश में मुकम्मल नहीं होता. किंतु बेकारी का दर कम करना, उसके लिए व्यवसाय प्रशिक्षण बढाना यह तो हम कर ही सकते है. हर एक राष्ट्र को प्रगतिपथ पर होते वक्त अपने नेतृत्व से सभी को प्रभावित कर आगे ले जा सकते है. परंतु सभी नागरिकों को भी अपने आप को देश की प्रगति में मदद करने लायक बनना पडता है. दूर के ढोल सुहाने लगते है. अमेरिका, जापान जैसे देश आज जिस मुकाम पर है वह यूँ ही नही हैं. उनके भी कभी कभी विकास में एक विकसनशील अवस्था थी. केवल पश्चिमी लोगों का देशों का अनुकरण हमें आगे नहीं ले जाएगा. हमें अनुसरण भी करना होगा. परिश्रम, समाजसेवा, नीतिमत्ता कुछ मूल्यें है, जो हमें भारत कह के आगे ले जायेगी. 1942 को भारत छोडो आंदोलन ब्रिटिश को हटाने के कारण हुआ था. हमें आज भी स्वतंत्रता प्राप्त करनी है हमें भ्रष्टाचार, गरीबी, नैसर्गिक आपत्ति ऐसे अलग ही घटकों से आज हमें पहले तो भारत जोडना है, और फिर हम सच में एक महासत्ता बनेंगे. संपन्न होना है, तो पहले हमें सबको साथ लिए ही जाना है. यह मुश्किल जरुर है, किंतु अशक्यप्राय नहीं. आखिर हमें पता है –

लहरो से डरकर नौका पार कभी नहीं होती –

कोशिश करने वालों की कभी हार नहीं होती.

कविता

व्हेंटिलेटर

श्रीमती मधुरा चव्हाण

श्रीमती मधुरा चव्हाण या यांत्रिकी आणि विद्युत अभियंता विभागातील इडीपी कक्षात प्रोग्रामर म्हणून कार्यरत आहेत नुकताच त्यांचा "नाद अनाहत" हा काव्य संग्रह प्रसिध्द झाला. त्यांच्या या काव्य संग्रहाला श्रेष्ठ कवयित्री शिरीष पै यांची प्रस्तावना लामली.

दिवसामागून दिवस संपत राहिले
पण व्हेंटिलेटर कधी निघालाच नाही
बंद पडलेला श्वास तुझा
पुन्हा सुरु झालाच नाही
रोज नवी औषधे
रोज नवी आशा
तेच तेच रिपोर्ट्स्
आणि
आयसीयूतील स्तब्धता
भेटायला आला सारा गोतावळा
सगळ्यांच्याच चेहऱ्यावर
प्रश्न एक मोठा
काय..कधी..कसे..कुठे
प्रश्नांचा बाजार सारा
हळूहळू जो तो जाई आपुल्या वाटेला
आम्ही मात्र चिवटपणे धरुन ठेविले
आमच्या मनातल्या आशेला
फोटो ही काढला
व्हेंटिलेटर वरचा तुझा
बरी होऊन घरी आलीस
की दाखवावे तुला
तो वेळ कधीच टळून गेली
तुला घेउन जाण्याची
देवाकडे भीक मागितली
अवचित तो फोटो
आज हातात आला
त्या साऱ्या आठवणींना
पुन्हा उजाळा मिळाला
व्हेंटिलेटर फक्त आशा जागवित राहतो
आशेचे झाड जगवित राहतो
आज उद्या परवा तेरवा.....

हिंदी पखवाड़ा 2017 में आयोजित स्वरचित कविता पाठ प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार प्राप्त कविता.

श्रीमती कल्पना कुलकर्णी
सामान्य प्रशासन विभाग

राजभाषा हिंदी

मै हूँ राजभाषा हिंदी.
मै हूँ राजभाषा हिंदी. भारत माँ के माथे की बिंदी
मेरा जन्मदिन मनाते हो 14 सितंबर
सच कहूं दोस्तो, दुखी होती हूँ मैं मन के अंदर
सजाते हो मुझे मेरे ही शब्दों से,
पहनाते हो मुझे नए वस्त्र तथा अलंकार,
ऐसे क्यूं लगता है मुझे ? कि ये सब सिर्फ है एक व्यवहास.
मेरे प्रचार प्रसार के लिए होता है हिंदी "अनुभाग"
लेकिन जरुरी है, आप सबका सहभाग
मेरे ही माध्यम से देश के कोने कोने में सुकर होता है संवाद,
सरल हूँ मै प्रयोग तो किजिए विना संदेह विना विवाद.
खुश तो मैं तब होऊंगी जब मुझे अपनाएंगे सब आप,
दिक्कत होगी तब लेना अंग्रेजी शब्दों का साथ.
वरना .....
अगले 14 सितंबर को भी मनाएंगे मेरा जन्म दिन
और मैं पूछती रहूंगी.....
कब आयेंगे मेरे अच्छे दिन ?

माझी कविता

पाऊस

सौ. सुमेधा मराठे,
कल्याण प्रभाग

तरल..... हळुवार...प्रेमळ पाऊस
सखी..अश्या वेळी नको नं सोडून जाऊस..

आताच अवतरलाय अलवार
प्रेम बरसवतोय अपरंपार
लखलखत्या विजा..ढगांची गडगड
छत्री सावरण्याची तुझी धडपड
झेलून घे तुषार.. छत्री नको घेऊस
सखी..अशा वेळी नको नं सोडून जाऊस..

मंद गार वारा.. उमटवी रोमरोमी शहारा
हवाय तुझ्या सोबतीचा निवारा
मोती जसे.. तुझ्या गालांवरले थेंब
जसे तन चिंब..सुखाने मनही तुडुंब..
हस ना मोहक.. रुसवा नको लेवूस
सखी.. अशा वेळी नको नं सोडून जाऊस..

मेघांनी प्रेम बरसता.. तनमन निवले
बघ.. पान न् पान कसे टवटवले
भारुन गेलाय सारा आसमंत
सृष्टीची ही माया अनंत
तू ही प्रेम उधळ.. कसली कमी नको ठेवूस
सखी.. अशा वेळी नको नं सोडून जाऊस..

ऊन - पाऊस

सौ. कल्पना च. कुलकर्णी,
सामान्य प्रशासन विभाग

मनातल्या मनामध्ये अनेक डाव मांडले
थोडेसेच रंगले नि बरेचसे सांडले.
घरीदारी मायेसाठी जीव पाखडला,
ढग आले भरुन पण पाऊस थांबला.
कोमेजल्या मनामध्ये आशा पालवली,
सर आली धाऊन म्हणता अवचित राहिली.
दु:खाचा तो भार होता मन हे शिणले,
नकळत कोणाच्याही डोळे झाले ओले.
पाऊस तो कोसळता नभ नितळ झाले,
तशातही मन माझे थोडे विसावले.
विसावल्या मनामध्ये प्रकाश सांडला,
खेळ ऊन पावसाचा अधिक रंगला.
सौख्याची ती गोडी कळण्या दु:ख ते साहीले,
नंतरच्या सुखांसाठी दु:खाला हासले.

अनुभूतीचा पाऊस

संतोष पां. पालव
गोदी विभाग

टपकन एक थेंब डोक्यावर पडला
आणि घरंगळत गेला गालावरुन मिसदून,
हळूच मी वर आकाशात पाहिले
तर ढग आले होते दाटून.....
धावत पळत, ऑफिस गाठलं
म्हटलं तिथं मजा खरी
हातात असेल मस्तपैकी वाफाळलेला चहा
आणि बाहेर रिमझिम पावसाच्या सरी.....
पण, थोड्यावेळाने,
थेंबाच्या त्या जोरादार सरी झाल्या
आणि सरींचे रुपांतर ढगफुटीत झाले,
पाहता पाहता पावसाने त्या...
आक्राळ रुप धारण केले.....
नदी भरलेली, नाले भरलेले
एकमेकांचे संपर्क तुटलेले,
बायको आणि मी होतो ऑफिसात
आणि आमचं पिल्लू दूर अडकलेले पाळणाघरात
निराशपणे, हातावर हात धरुन पहावा लागणारा
इथे ही एक पाऊस होता.....
आणि फोनवरुन हतबलपणे फक्त ऐकावा लागणारा
तिथे ही एक पाऊस होता.....
कशीबशी रात्र सरली, दिवस उजाडला,
तेव्हां मला कळलं हाल फक्त माझेच नव्हते
सांगण्यासाठी प्रत्येका जवळ
असेच अनेक कटू अनुभव होते.
बेटीच्या आतुरतेने आणि हिरकणीच्या शक्तीने
अनेक संकट पार करत घर आम्हीं गाठलं,
आणि दार उघडताच त्या माऊलीने
पिल्लाला आपल्या कुशीत घेतल.
मायेचा तो झरा आणि पिल्लाचा तो लळा
एकमेकांच्या कुशीत झाला होता रिता,
आणि भरलेल्या डोळ्यांनी मी सहज खिडकीतून पाहिलं,
आता मात्र पाऊस शांत होता.....
आता मात्र पाऊस शांत होता.....